

श्री जगजीवन राम मोहरी के सम्बन्ध में क्लेम कमिश्नर की बहाली हो चुकी थी। बीच में एक क्लेम कमिश्नर बदल गया, दूसरा आया है और आपने जब रेलवे बजट की बहस के ऊपर कहा था तो मैंने इसकी जानकारी ली तो मुझे मालूम हुआ कि अधिकांश मामलों में तो उसका निर्णय हो चुका है और बोर्डों से जो मामले उसके सामने हैं उसका भी निर्णय शीघ्र हो जायेगा। उसमें देर होने का कारण यह है हुआ कि दूर दूर के जो लोग उसमें पड़े थे उनके वारिसों का कुछ मामलों में तो पता नहीं लगा और कुछ की तरफ से दावा किया ही नहीं गया।

Shri Warrior: May I know whether the compensation for victims in the major disasters like Ariyalur have been settled by this time?

Shri Jagjivan Ram: The compensation is paid for all railway accidents irrespective of whether the fault was of the railways or not

Shri Warrior: The Hon Deputy Minister had stated that during the last 5½ years the amount of compensation paid was about Rs 30 lakhs. So, I wanted to know whether compensation at least for the major disasters has been settled or not

Mr. Deputy-Speaker: He wants to know whether compensation for major disasters has been settled or not.

Shri Shah Nawaz Khan: Yes, sir Claims Commissioners are appointed and they settle it as quickly as possible. The hon Member has made mention of the Ariyalur accident

Shri Warrior: And such other accidents

Shri Shah Nawaz Khan: Regarding that, I might mention that not only did we pay the amount decided by the Claims Commissioner, but we paid 20 per cent over that.

Shri Sonavade: May I know whether any rules are framed by the

Railway Ministry which would govern or guide the Claims Commissioner to determine the claims in particular cases of injury or fatal accident?

Mr. Deputy-Speaker: That has been answered.

Shri Jagjivan Ram: That is done under the Act

Shri P. R. Patel: I want to know whether any compensation has been paid to those persons who have been injured in February, very recently this year, at Mehsana station. I want to know whether any medical doctor

Mr. Deputy-Speaker: Each individual accident could not be answered just now by the Minister

केन्द्रीय नशत्र वेधशाला

*१०२०. श्री अक्षय शर्मा क्या परिषद्द्वारा तथा संचार मंत्री १७ फरवरी, १९५८ के प्रस्तावित प्रश्न संख्या २६७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बनाने की कृपा करेंगे कि

(क) एक केन्द्रीय नशत्र वेधशाला स्थापित करने के प्रस्ताव के बारे में इस बीच और क्या प्रगति हुई है, और

(ख) प्रस्तावित वेधशाला कब तक स्थापित होने की आशा है ?

असैनिक उद्भवण उपमंत्री (श्री मुहम्मद हदीम) (क) और (ख) सेन्दुल अस्ट्रानामिकल आबजरवेटरी के कयाम के मुताबिक कई ज्यादा बांबाई नहीं हुई। फागन इक्विपमेन्ट के मुहकलात की वजह से यह स्कीम तीसरी पंचवर्षीय योजना के लिए मुत्तबी कर दी गई है।

Some Hon. Members: In English also

Shri Mohiuddin: There has been no further development in regard to the

establishment of the Central Astronomical Observatory. Due to the present foreign exchange difficulties, the scheme has been postponed to the Third Five Year Plan.

श्री भक्त बर्षन : श्रीमन्, जहां तक मुझे ज्ञात है सन् १९४५ से हम सम्बन्ध में विचार किया जा रहा है और काफी रुपया उसकी जाच पबताल में खर्च हो चुका है तो क्या मंत्रालय ने प्लानिंग कर्मिशन पर इस बात के लिए जोर दिया है कि चूंकि यह महत्वपूर्ण है इसलिए इसी योजना में इसे लिया जाय और उन्होंने क्या निर्णय किया ?

श्री मुहीउद्दीन : यह सही है कि यह स्कीम बहुत दिन से जेरेमोर है। हमने पाच साला प्लान में आबज़रवेटरी के क्याम के लिए एकम भी रकम दी गई थी लेकिन फारेन एक्सचेंज की मुश्किलता की वजह से बाहर से जो सामान आना है उसके मुतालिक कोई आर्डर नहीं दिये गये। यह जरूर है कि हमने कोशिश की थी कि इसकी मंजूरी दी जाय लेकिन इसके मुतालिक मजूरी नहीं हुई।

श्री भक्त बर्षन : श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हू कि हम बेचशाला पर कुन किनना खर्च होने का अनुमान है और उसमें से फारेन एक्सचेंज का किनता भाग है ताकि इस बारे में कुछ प्रकाश डाला जा सके ?

श्री मुहीउद्दीन : कुन आबज़राजात ६,७ वर्ष पहले जा तैयार किये गये थे वह ६० लाख के लगभग है जिसमें ४० लाख की मशीनरी और दूसरी आबज़रवेटरी के एक्विपमेंट के मुतालिक है।

Shri Panigrahi: May I know whether any preliminary expenses were incurred for setting up this observatory?

Shri Mohiuddin: Preliminary expenses were incurred only for observations made for selection of a suitable site for this observatory. There might have been some other preliminary ex-

penses regarding travelling allowances, committees and so on.

श्री भक्त बर्षन : माननीय मंत्री ने बताया कि विदेशी मुद्रा की कठिनाई के कारण इस बेचशाला की स्थापना नहीं हो पा रही है तो क्या मैं जान सकता हू कि जिन देशों से जैसे कि मोवियट कम में जहा कि इस्ट्रानीयी (ज्यालिय) की बड़ी उन्नति हो चुकी है उनके साथ मैं कोई बातचीत हो रही है। ताकि वहा से कोई मशीनरी सहायता की तौर पर ली जा सके और फारेन एक्सचेंज का सवाल ही खत्म हो जाय ?

श्री मुहीउद्दीन : मुझ इस गुप्ततू का कोई इलम नहीं है।

Shri M. K. Ghosh: May I know the location?

Mr. Deputy-Speaker: We have passed on to the next question. I am sorry

Movement of Foodgrains

*1022. **Shri Harish Chandra Mathur:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) what is the quantity of foodgrains which moved out of (i) Rajasthan and (ii) Punjab by rail and road during 1958-59,

(b) what quantity of imported wheat and other foodgrains was moved from Bombay and other places to Rajasthan and Punjab during the same period;

(c) what is the cost of all this transport, and

(d) whether Government have considered the advisability of regulating and minimising cross-movements?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) and (c) Information about the movement of foodgrains by rail and road on trade account is not available.

(b) During the period from 1st April, 1958 to 21st February, 1959, the